PUBLICATION NAME :	**Rajasthan Patrika**
EDITION :	**Ahmedabad**
DATE :	**03/10/2022**
PAGE :	**02 & 03**

केरल के राज्यपाल का संबोधन

साबरमती आश्रम आना तीर्थ यात्रा के समान: आरिफ

कहा, गांधीजी यदि आज रहते तो राष्ट्रीय एकता की बात करते

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि उनके लिए साबरमती आश्रम आना तीर्थ यात्रा के समान है। यहां पर किसी भी साल या किसी भी दिन आना तो हमारा राष्ट्रीय तीर्थ है, लेकिन गांधी जयंती के दिन 2 अक्टूबर को यहां पर आने की बात ही कुछ और है। वे रविवार को बापू की जयंती पर साबरमती आश्रम में गांधी स्मारक संग्रहालय में 'सबका भारत-महात्मा गांधी जी की नजरों में' विषय पर संबोधन दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि आइंस्टीन ने लिखा है कि भविष्य में आनेवाली नस्लों के लिए यह विश्वास करना मुश्किल होगा कि गांधीजी जैसा हांड मांड का कोई व्यक्ति इस धरती पर चलता फिरता था।

खान के मुताबिक उन्होंने बापू को लेकर जो कुछ भी पढ़ा है, यहां बैठकर यह लगता है कि वे उसके साक्षी बन रहे हैं। गांधीजी सर्व धर्म प्रार्थना से यह बताने की कोशिश करते थे कि सबका साथ एक है।

उन्होंने कहा कि बापू ने हमें कोई नई चीज नहीं दी बल्कि हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत को वापस लौटा दिया जिसे हम भूले हुए थे। केरल के राज्यपाल ने कहा कि गांधीजी आजादी की लड़ाई के दौरान हिन्दू-मुस्लिम एकता की बात करते थे क्योंकि अंग्रेजी हुकूमत हमें तब राष्ट्र नहीं मानती थी। यदि आज गांधीजी रहते तो वे आज राष्ट्रीय एकता की बात करते।

उन्होंने कहा कि उन्हें बापू को पढ़ने पर गीता का श्लोक व कुरान की आयत याद आ जाती है। बापू की सारी चीजें आध्यात्मिकता में लिप्त थी, हालांकि उनका आंदोलन राजनीतिक था। वैष्णव जन तो तेने कहिए गांधीजी का प्रिय भजन इसलिए है क्योंकि यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है।

केरल के राज्यपाल के मुताबिक उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई के दौरान गांधीजी ने समाज के तनावों को खत्म कर प्यार, मोहब्बत व एकता कायम करने का काम किया।

गांधीनगर स्थित ईडीआईआई में आयोजित विशेष व्याख्यान देने पहुंचे केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को स्मृति चिन्ह भेंट करते संस्थान के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला।

हम हमेशा बापू के कर्जदार रहेंगे

खान ने साबरमती आश्रम के विजिटर्स बुक में यह लिखा कि इस जगह पर 2 अक्टूबर को आना एक ऐसी खुशी है जिसे बयां नहीं किया जा सकता। यहां आना तीर्थयात्रा के समान है। उन्होंने लिखा कि हम हमेशा बापू के कर्जदार रहेंगे, न केवल यह सुनिश्चित करने के लिए कि हम एक स्वतंत्र देश में गरिमा के साथ रहते हैं, बल्कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत का भी ध्यान रखना है जो हैं जो हमें अपने लोगों, अपने राष्ट्र और मानवता के प्रति अपना कर्तव्य निभाने के लिए बाध्य करती है।

ईडीआईआई में विशेष व्याख्यान

सभ्यता का आधार विविधता: खान

अहमदाबाद@पत्रिका. केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि जब हम यह समझते हैं कि विविधता ही प्रकृति का कानून है। ऐसे में यदि हम शांति से जीना चाहते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि सभ्यता का आधार विविधता है। विविधता में एकता और उसकी तमाम विविधता के साथ मानव की सेवा करना हमारा मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। वे गांधी जयंती पर रविवार को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) में इंडिया थिंक काउंसिल नई दिल्ली के साथ मिलकर 'ग्लोबल पीस एंड सस्टेनेबिलिटी' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ज्ञान से विश्वास और खुशी से शांति मिलती है। इसलिए व्यक्ति को हमेशा निरंतर ज्ञान प्राप्त करते रहना चाहिए। उन्होंने सेल्फ यानि खुद को सबसे अच्छा मित्र और सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए कहा कि यह आप पर निर्भर करता है कि आप अपने आपको किस प्रकार से गढ़ते हैं। ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ.सुनील शुक्ला, ईडीआईआई की गवर्निंग बॉडी के सदस्य डॉ.शैलेन्द्र नारायण, डॉ. बाबा साहब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी अहमदाबाद की कुलपति प्रो.अमी उपाध्याय, इंडिया थिंक काउंसिल के निदेशक सौरभ पांडे ने भी विचार व्यक्त किए।